

This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper : 5975  
Unique Paper Code : 227505  
Name of Paper : Political Economy  
Name of Course : B.A. (Hons.) Economics  
Semester : V  
Duration : 3 hours  
Maximum Marks : 75

F

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

NOTE:— Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी:— इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

This question paper is divided into two Sections, A and B. Each question in Section A carries 15 marks and each question in Section B carries 20 marks.

Attempt any one question from Section A and any three questions from Section B.

इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड, अ और ब हैं। खण्ड अ का प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का तथा खण्ड ब का प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। खण्ड अ से कोई एक प्रश्न तथा खण्ड ब से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

#### SECTION A ( खण्ड अ )

1. Elucidate the basic features of Fordism. Can we call it a regime?

फोर्डिज़्म की बुनियादी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिये। क्या हम इसे एक शासन व्यवस्था कह सकते हैं?

2. Discuss how the domain of labour market and paid work are not independent of the non-market domain of households and domestic work. Explain how a 'co-operative conflict' perspective can provide a useful framework to understand gender dimensions within households.

P.T.O.

चर्चा कीजिये कैसे श्रम बाजार का क्षेत्र व भुगतान कार्य, गैर-बाजार गृहस्थ क्षेत्र व घरेलू कार्य से स्वतंत्र नहीं हैं। व्याख्या कीजिये कि कैसे एक 'सहकारी विरोध' परिप्रेक्ष्य, गृहस्थों के मध्य लिंग आयामों को समझने के लिये एक उपयोगी ढांचा उपलब्ध करा सकता है।

3. "One persistent fact within the complex history of uneven neoliberalization has been the universal tendency to increase social inequality and to expose the least fortunate elements in any society to the chill winds of austerity and the dull fate of increasing marginalization." (*David Harvey*). Discuss.

"असमान नव-उदारीकरण के जटिल इतिहास में एक निरंतर तथ्य सामाजिक असमानता को बढ़ाने की सार्वभौमिक प्रवृत्ति है तथा समाज में सबसे कम भाग्यशाली तत्वों को मितव्ययिता के सर्द थपेड़ों में भोंकना और उनको ज्यादा से ज्यादा हाशिये पर ढकेले जाने का दुर्भाग्य भेलने पर मजबूर करना है।" (*डेविड हार्वे*). चर्चा कीजिये।

#### SECTION B ( खण्ड ब )

4. Explain the various contradictions inherent in the framework of the 'neoliberal' State. To what extent do these contradictions arise out of a disparity between the declared aim of neoliberalism and its actual manifestation in practice?

'नव-उदारवादी' राज्य के ढांचे में निहित विभिन्न विरोधाभासों की व्याख्या कीजिये। किस हद तक ये विरोधाभास, नव-उदारीकरण के घोषित उद्देश्य तथा व्यवहार में इसकी वास्तविक अभिव्यक्ति के बीच की खाई से उत्पन्न होते हैं?

5. What do you understand by 'buyer-driven global commodity chains'? Citing evidence from any one industry, show how the inter-firm governance structures have evolved over time. Highlight the underlying explanatory variables.

"क्रेता संचालित वैश्विक वस्तु शृंखला" से आप क्या समझते हैं? किसी भी एक उद्योग से सबूत का हवाला देते हुये दर्शाइये कि कैसे समय के साथ अंतर-फर्म शासन संरचनाएं विकसित हुई हैं। इसमें अंतर्निहित व्याख्यात्मक कारकों को दर्शाइये।

6. "Product development and marketing replaced current production as the dominant problem of the business enterprise." Elaborate on the significance of this development for the evolution of the corporate structure and business strategies of the Multinational Corporations and its ramification for division of labour and relative gains in income, consumption and productivity in the international economy.

“उत्पाद विकास और विपणन ने व्यापार उद्यम की प्रमुख समस्या के रूप में वर्तमान उत्पादन का स्थान ग्रहण कर लिया है।” निगम संरचना के उद्भव और बहुराष्ट्रीय निगमों की व्यापार रणनीतियों के लिये इस विकास का क्या महत्त्व है? अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में श्रम विभाजन और आय, उपभोग एवं उत्पादकता में सापेक्षिक लाभ के लिये इसके क्या परिणाम हैं?

7. “The dramatic social transformation realized during neoliberalism would have been impossible if an alliance had not been made between capitalist and managerial classes, in particular their upper fractions.” (*Dumenil and Levy*). Elucidate this statement. Do you think this compromise was manifested in a shift in the form of corporate governance structure from ‘managerial capitalism’ to ‘investor capitalism’? Explain with reference to the mechanisms of this shift.

“नव-उदारिकरण के दौरान प्राप्त नाटकीय सामाजिक परिवर्तन असंभव हो गये होते यदि पूँजीवादी व प्रबंधकीय वर्गों के बीच एक गठबंधन, खासकर उनके ऊपरी हिस्सों के बीच, नहीं बना होता।” (*डूमनील व लेवी*). इस कथन की व्याख्या कीजिये। क्या आप मानते हैं कि निगम शासन संरचना में ‘प्रबंधकीय पूँजीवाद’ से ‘निवेशकीय पूँजीवाद’ में बदलाव इस समझौते को रेखांकित करता है? इस बदलाव के तौर-तरीकों के संदर्भ में इसकी विवेचना कीजिये।

8. “Democracy and equity are important not only as ends in themselves, but also as means to environmental protection.” (*Robert Boyce*). Discuss the statement.

“लोकतंत्र व समानता अपने आप में एक उद्देश्य के रूप में ही महत्त्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिये एक साधन के रूप में भी अहम हैं।” (*रॉबर्ट बॉयस*). इस कथन की चर्चा कीजिये।

9. Discuss the different facets of the phenomenon of ‘feminisation of employment’ under globalisation including the possible reasons for this.

भूमंडलीकरण के तहत “रोजगार के स्त्रीकरण” की परिघटना के विभिन्न पहलुओं पर इसके संभावित कारणों सहित चर्चा कीजिये।